एकल नारी शक्ति संस्थान, राजस्थान

वार्षिक रिपोर्ट

2023-24

क्षेत्रीय कार्यालय- 3, पीपल्दा हाऊस, राजभवन रोड़, सिविल लाईन, कोटा (राज.) 324001
Ph.: 0744-2450726, Email: enssrajasthan@gmail.com, Websit: www.ekalnari.org

अनुक्रमणिका

क.सं.	विवरण	पेज नं0
1.	➢ आवरण पृष्ठ	0
2.	➢ अनुकमणिका	1
3.	➢ संस्थान की पृष्ठभूमि, लक्ष्य, उद्देष्य व सदस्यता व कार्यक्षेत्र	2
4.	➢ सफल केस स्टडी –हम एकल है पर अकेली नही..........	3
5.	➢ संस्थान की वार्षिक मुख्य गतिविधिया	4–5
6.	➢ सफल केस स्टडी – वाकिफ कहॉ जमना हमारी उड़ान से........ – भ्रष्ट सुपरवाईजर को	6
7.	➢ क्षमतावर्धन प्रषिक्षण	7–8
8.	➢ शैक्षणिक भ्रमण	8–10
9.	➢ विशेष महिला दिवस कार्यक्रम ...... ▪ बहिनादूज का जश्न..... ▪ अर्न्तराष्ट्रीय किसान महिला दिवस..... ▪ 8 मार्च अर्न्तराष्ट्रीय महिला दिवस	10–12
	➢ महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र	13
	➢ संस्थान की इस वर्ष की उपलब्धियॉ	14
10.	➢ संस्थान द्वारा चलाये गये साक्षरता शिविर...... केस स्टडी	15
11.	➢ संस्थान की एकल महिला लीडर्स द्वारा एकल महिलाओं को दिलाये गये लाभार्थीयो के आंकडे	16–18
12.	➢ हमारे मुद्दें...... चुनौतियॉ	19
13.	➢ संस्थान कार्यक्षेत्र की सूची	19–21
14.	➢ संस्थान मिडिया कतरेज	22–23
15.	➢ संस्थान गतिविधियॉ फोटोज ...	24

एकल नारी शक्ति संस्थान – राजस्थान

वार्षिक प्रतिवेदन

1 अप्रेल 2023– 31 मार्च 2024

❖ पृष्ठभूमि –

एकल नारी शक्ति संस्थान राजस्थान की कम आय वर्ग वाली गरीब मजबूत एकल महिलाओ का संस्थान है। जिसमे सभी आय, वर्ग, धर्म, उम्र व जाति की बहिने जुडी हुई है। संस्थान राजस्थान मे एकल महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक सशक्तिकरण व गरीमामय जीवन के साथ–साथ वैधानिक अधिकार एकल महिलाओ को प्राप्त हो इसके लिए प्रयासरत है। संस्थान का कार्य वर्तमान मे 33 जिलों के 92 ब्लाक मे चल रहा है।

इसके लिए संस्थान द्वारा 1 अप्रेल 2023 से मार्च 2024 तक विभिन्न प्रकार की निम्नलिखित गतिविधियां क्रियान्वित की गई। और एकल महिलाओं की समस्या समाधान उनके सशक्तिकरण के लिए बैठके, प्रशिक्षण, सम्मेलन व अन्य गतिविधियां नियमित रुप से कि गयी।

संस्थान का विजन :

संस्थान की सोच ऐसे समाज की है जिसमें सभी धर्म, वर्ग, समुदाय, जाति व उम्र की एकल महिलाऐ सशक्त नागरिक के रुप मे रह सके, अपने सभी कानूनी, सामाजिक, सांस्कृतिक व आर्थिक अधिकारों को प्राप्त कर गरीमापूर्ण व सम्मानपूर्ण जीवन जी सके।

संस्थान कार्यक्षेत्र व एकल महिलाओं के साथ कार्य

एकल नारी शक्ति संस्थान वर्तमान में राजस्थान के 33 जिलों के 92 ब्लाको में सक्रिय रुप से एकल महिलाओ को संगठित कर परस्पर एक दूसरे के सहयोग से उनके समस्या समाधान व सशक्तिकरण का कार्य किया जा रहा है। और वर्तमान मे संस्थान के साथ किसी ना किसी रुप से 94,557 एकल महिलाऐ जुडी हुई है।

संस्थान का मुख्य कार्य :

- **सभी जातियों, धर्मों, उम्र, वर्गों और समुदायों की एकल महिलाएं सामूहिक रूप से और एक-दूसरे के सहयोग से अपने जीवन को बेहतर बनाती हैं और सशक्त नागरिक बनती हैं और साथ ही एक समान और न्यायसंगत समाज बनाने के लिए अन्य हाशिए पर रहने वाले समूहों का समर्थन करती हैं।**

उद्देश्य –

- **सम्पत्ति और जमीन का अधिकार दिलाना और उन्हें अत्याचार से मुक्ति दिलाना।**
- **एकल महिलाओं मे शक्ति का संचार करना, एकल महिलाओं को हाशिये पर लाने वाली पारंपरिक कुरितियों एंव रुढ़ियो मे बदलाव।**
- **एकल नारी हितैषी योजना/कानून लागू करवाना एंव बेहतर क्रियांवयन करवाना।**
- **कानून की नितियों एंव सरकारी योजनाओं से लांभान्वित करने के लिए की मदद करना व सामूहिक प्रयास से आय संवर्धन योजनाओं को लागू करवाना व जोडना।**

सफल केस स्टडी

हम एकल है पर अकेली नहीं .... गायत्री बाई

गायत्री बाई

गायत्री बाई गांव बिन्दो तहसील झालरापाटन जिला झालावाड की रहने वाली विधवा महिला है विधवा होने के बाद उसके ससुराल से उसे निकाल दिया था। वह महिला पीयर में आ कर रहने लग गई। उसका पीयर हेमडा पंचायत, ब्लाक सुनेल, जिला झालावाड में था वही से वह एकल नारी की मिटिंग मे जुड गई। पहले तो उसने संस्थान व एकल महिला लीडरर्स के सहयोग से सरकारी योजनाओ से जुड कर आर्थिक लाभ प्राप्त किया। फिर ससुराल की जमीन में हिस्सा लेने के लिये एकल बहिनों के साथ प्रयास किया परन्तु सास–ससुर जिन्दा होने के कारण उसे जमीन में हिस्सा नही मिल रहा था। इसके लिये एकल महिला नेतृत्वकर्ताओं ने सामूहिक रुप से आपस में समझाईश भी करवाई लेकिन फिर भी उसके ससुर ने उसे जमीन में हिस्सा नही दिया। अभी कुछ समय पहले उसका ससुर व सास की मौत हो गई तो देवर व जेठ उस महिला को जमीन में हिस्सा नही दे रहे थे। अतः फिर एकल महिला लीडर्स ने व कुछ एकल बहने व कार्यकर्ता गायत्री बाई के ससुराल गये। वहॉ देवर व जेठ से बात की तो उन्होने पहले तो जमीन में हिस्सा देने से मना कर दिया। इस पर कार्यकर्ता ने कहां हम आज ही आप दोनो भाईयो की रिपोर्ट करवायेगं, जिससे आपको कानूनी तौर पर जमीन में हिस्सा देना पडेगा। फिर वह लोग डर गये। गायत्री बाई के देवर व जेठ दोनो जमीन में हिस्सा देने को तैयार हो गये। एकल महिला लीडर्स ने लिखित में स्टाम्प पेपर पर जमीन का बंटवारा करवा दिया। उसको अपने हिस्सा की 5 विगा जमीन मिली साथ ही रहने हेतु ससुर के मकान में से हिस्सा दिलवाया। अब गायत्री बाई ससुराल में रह रही है उस जमीन पर खेती का कार्य करके अपना व बच्चो का पालन–पोषण कर रही है। संगठित होकर एकल महिला लीडर्स ने जो प्रयास किये उसकी ताकत से गायत्री बाई को जमीन व आवास का अधिकार मिला। गायत्री बाई कहती है, कि यदि संस्था व मेरी एकल बहिने मेरे साथ नही होती तो मै अकेले अपनी लड़ाई कैसे लड़ती कचहरी के चक्कर लगाते लगाते मर ही जाती पर अधिकार नही मिल पाता। गायत्री बाई ने सभी का धन्यवाद दिया। अब वह कभी भी मिटिंग नही छोडती है साथ अन्य महिलाओ को संगठन की ताकत बताती है।

पंचायत से राष्ट्रिय स्तर तक अपनी पहचान बनाती व मुद्दें उठाती एकल महिलाऐ..........।

संस्थान की मुख्य गतिविधियॉ –

नियमित विशेष बैठके :

- **पंचायत स्तरीय बैठके : –** एकल नारी शक्ति संस्थान द्वारा 108 ब्लाको की 500 पंचायतों मे एकल महिलाओं की बैठके आयोजित की गई। जिसमे 76,865 एकल महिला, 15,183 सदवा महिला, 4660 पुरुष 1443 जनप्रतिधियों व सरकारी कर्मचारियों ने भाग लिया। बैठक मे सामाजिक सुरक्षा योंजनाओं, राशन, नरेगा, महिला किसान, महिंला हिंसा, जमीन सम्पत्ति अधिकार, मतदान जागरुकता व सामाजिक छूआछूत व भेदभाव पर चर्चा की गई व समस्याओं का समाधान किया गया।

पंचायत स्तरीय बैठक करती एकल महिलाऐ

- **ब्लाक कमेटी सदस्य बैठके** – यह बैठक प्रत्येक ब्लाक मे साल मे एक बार आयोजित की जाती है। इसी वर्ष मई व जून माह मे 70 ब्लाकस मे एकल महिला ब्लाक कमेटी सदस्यों की बैठक आयोजित की गई। जिसमें 1400 से अधिक एकल महिला ब्लाक कमेटी सदस्यों ने भाग लिया। बैठक मे जिला कमेटी सदस्यों का चयन किया गया, ब्लाक स्तर के एकल महिला मुद्दों पर चर्चा की गई। जिसमें मुख्य रुप से खाद्य सुरक्षा का पोर्टल बन्द होने के कारण एकल महिलाओं को खाद्य सुरक्षा का लाभ नही मिलने, पेंशन व पालनहार राशि कई महिनो से नही मिलने व नरेगा मे काम नही मिलने के मुद्दें निकल कर सामने आये। जिसके लिए ब्लाक कमेटी सदस्यों ने आगे की कार्यनिति बनायी।

- **एकल महिला नेतृत्वकर्ता राज्य स्तरीय बैठके –** एकल महिला नेतृत्वकर्ता राज्य स्तरीय बैठक वर्ष मे तीन बार आयोजित की गई। जिसमें संस्थान कार्यक्षेत्र के प्रत्येंक जिले से 3 राज्य स्तरीय एकल महिला भाग लेती है। इस वर्ष हुई एकल महिलाओं की राज्य स्तरीय बैठक मे एकल महिला नेतृत्वकर्ताओं द्वारा राज्य स्तर एकल महिलाओं के मुद्दें, समस्या समाधान, साल भर के कार्य की रिर्पोटिंग, एकल महिलाओं के लिए बनायी गई कार्यो की कार्यनिति का मूल्यांकन व विश्लेषण व आगामी नये वर्ष मे कोनसे मुद्दें पर कार्य करने की आवश्यकता है। इस पर चर्चा कि गई। नये मुद्दे व विशेष कार्य योंजना मे निकलकर आया कि बच्चों के साथ बाल यौंन हिंसा व छेडछाड, महिला किसान सशक्तिकरण, बहिनादूज कार्यक्रम, महिला किसान दिवस, महिला

राज्य स्तरीय एकल महिला नेतृत्वकर्ता बैठक भाग लेती सदस्याऐं

दिवस व पंचायत स्तर के कार्य को और मजबूती के साथ आगे बढाने पर चर्चा की व आयोजना तैयार की गई।

राज्य स्तर बैठक का ब्योरा –

दिनांक	स्थान	संभागी
28–29 जुलाई,023	आस्था प्रशिक्षण केन्द्र, बेदला, उदयपुर	70
2–3 दिसम्बर, 023	आस्था प्रशिक्षण केन्द्र, बेदला, उदयपुर	61
28–23 मार्च, .024	आस्था प्रशिक्षण केन्द्र, बेदला, उदयपुर	55

- **कार्यकारिणी सदस्य बैठक :** संस्थान कार्यकारिणी की बैठक वर्ष मे तीन बार आयोजित की जाती है। इस वर्ष संस्थान की कार्यकारिणी सदस्यों की 4 बैठके आयोजित की गई। जिसमें संस्थान के बजट, गतिविधि आयोजना, कार्यकर्ता नियुक्ति, कार्यकर्ता मूल्यांकन, फिल्ड कार्य का मूल्यांकन, आगामी कार्यनिति तय की गई, नये मुद्दो पर कार्य व इण्डियन डोनरर्स की पहचान आदि पर चर्चा की गई व विशेष निर्णय लिये गये।

संस्थान कार्यकारिणी सदस्य बैठक करती सदस्याऐं

1. 28.07.2023 स्थान : आस्था प्रशिक्षण केन्द्र, बेदला, उदयपुर संभागी – 10
2. 07.01.2024 स्थान : आस्था प्रशिक्षण केन्द्र, बेदला, उदयपुर संभागी – 10
3. 26.02.2024 स्थान : एकल नारी शक्ति संस्थान कार्यालय, कोटा संभागी – 06
4. 28.03.2024 स्थान : आस्था प्रशिक्षण केन्द्र, बेदला उदयपुर संभागी – 7

- **साधारण सभा बैठक –** संस्थान की साधारण सभा की बैठक वर्ष मे एक बार आयोजित की जाती है, लेकिन आवश्यक कारणो से इस बार यह बैठक वर्ष मे दो बार दिनांक 27 जुलाई 2023 व 02 फरवरी, 2023 आयोजित की गई। बैठक मे संस्थान की आगामी आयोजना, कार्यनिति, चार्टेड अकाउन्टैट का चयन, बजट स्वीकृति व संस्थान के खाते कोटा ट्रांसफर करने व रजिस्टर्ड कार्यालय बदलाव सम्बन्धित विशेष निर्णय लिए गये।
- **स्टाफ बैठके –** एकल महिला ब्लाक नेतृत्वकर्ताओं की आयोजना बैठक प्रतिमाह आयोजित की गई। जिसमें प्रतिमाह 92 ब्लाक के ब्लाक फेसिलिटेटर भाग लेते है। प्रतिमाह बैठक मे ब्लाक वाईज कार्य रिर्पोट, आगामी आयोजना, समस्या समाधान व एक दूसरे के साथ अनुभवों का आदान प्रदान किया जाता हैं।

सफल केस स्टडी

वाकिफ कहॉ जमाना हमारी उड़ान से ....

कौशिश करने वालो की कभी हार नही होती.............यह कर दिखाया बहिनो की एकता व शक्ति ने ग्राम पंचायत चिडियांगाधी तहसील नोहर जिला भादरा में बिमला देवी आंगनवाडी कार्यकर्ता है, उसका केन्द्र वर्तमान में गांव के कुआं के पास चल रहा था। गांव से दूर केन्द्र उस पर जाने के लिये बच्चो को कुंआ के पास से गुजर कर जाना पड रहा था। इससे लोग बच्चो को खतरे में नही डालना चाहते थे। अतः लोगो ने आंगनवाडी पर बच्चों को भेजने से मना कर दिया। आंगनबाडी कार्यकर्ता ने कई बार विभाग व पंचायत को इस समस्या से अवगत करवाया, लेकिन विभाग के कान पर जू तक नही रेंगी। फिर सभी की सलाह अनुसार आंगनबाडी कार्यकर्ता ने विभाग को लिखित मे भी दिया परन्तु कोई फायदा नही हुआ। जब एकल नारी शक्ति संस्थान की ब्लाक नेतृत्वकर्ता वहां गई तो आंगनबाडी कार्यकर्ता ने अपने केन्द्र की समस्या बताई। फिर एकल बहिनें संगठित होकर सरपंच साहब के पास पंचायत भवन में जाकर अपना व संस्थान का परिचय देते हुए यह समस्या बताई की आंगनवाडी केन्द्र इतने खतरे वाली जगह पर बना हुआ है यदि किसी भी बच्चे के साथ कुछ हादसा हो जायेगा तो फिर उसका जिम्मेदार कौन होगा ? विभाग भी नही सुन रहा है और कई बार शिकायत भी दर्ज करवा दी है आप तो गांव के सरपंच है। गांव में काफी जगह ऐसी है जहां पर आप आंगनबाडी केन्द्र के लिये जगह दे सकते है जहॉ बच्चे सुरक्षित रहे व आंगनबाडी पर आराम से आ जा सके। एकल महिला नेतृत्वकर्ता व एकल महिला लीडर्स के काम व सशक्तिकरण से सरपंच साहब इतने प्रभावित हुए कि लगभग 4—5 माह बाद आंगनबाडी लिये जमीन का पटटा दिया। अब उस पर आंगनवाडी केन्द्र बनाया जायेगा। गांव के लोगो ने कहां की जो भी कार्य गांव व सरकार नही कर सकी वह कार्य एकल बहिनों की संगठन की शक्ति ने कर दिखाया।

भ्रष्ट महिला सूपरवाईजर पर करवायी कार्यवाही...

सफल केस स्टडी

महिला बाल विकास विभाग की महिला सुपरवाईजर जो कि आंगनबाडी कार्यकर्ताओं से प्रतिमाह 2000 रु रिश्वत मांगती थी। उसके लिए एकल महिला लीडर्स आंगनबाडी कार्यकर्ताओं के साथ 2019 से उस पर कार्यवाही के लिए संघर्ष कर रही थी। कार्यवाही के नाम पर कई बार ट्रांसफर हुए लेकिन सुपरवाईजर वापस अपनी अप्रोच लगाकर वापस उसी ब्लाक मे आ जाती थी। उसका राजनितिक प्रभाव बहुत उपर तक था। मई 2022 मे एसीबी मे एकल महिला लीडर्स ने प्रताड़ित आंगनबाडी कार्यकर्ता के साथ मिलकर रिर्पोट दर्ज करवायी। जिसमे महिला सुपरवाईजर को रंगेहाथो पकड़वाया गया। लेकिन फिर भी अप्रोच के कारण वह गिरफतार नही हो सकी क्योंकि विभाग ने एसीबी को अभियोजन स्वीकृति नही दी और कोई कार्यवाही नही हुई। एकल महिलाऐं संगठित होकर सरकार व विभाग पर लगातार दबाव बनाती रही और अंत मे सुपरवाईजर को गिरफतार कर उस पर केस चलाया गया। संगठन की ताकत की जीत हुए ।

एकल महिला नेतृत्वकर्ताओं के क्षमतावर्धन प्रशिक्षण :

➢ पंचायत स्तरीय नेतृत्वकर्ता क्षमतावर्धन प्रशिक्षण

ब्लाक नेतृत्वकर्ता पंचायत स्तर पर प्रतिमाह मासिक बैठके आयोजित करते है और एकल महिलाओं को संगठित कर परस्पर एक दूसरे के सहयोग से समस्या समाधान हेतू प्रयास करते है। आवश्यक सामूहिक मुद्दे व समस्याऐं उठाते है। पंचायत स्तरीय एकल महिला नेतृत्वकर्ताओं का क्षमतावर्धन करने हेतू संस्थान कार्यक्षेत्र कोटा, उदयपुर, जोधपुर, करौली व सीकर मे 5 प्रशिक्षण आयोजित किये गये। जिसमे संस्थान कार्यक्षेत्र की 44 ब्लाक की 435 एकल महिला नेतृत्वकर्ताओं ने भाग लिया। और समझा कि एकल महिलाओं के मुद्दे व समस्याऐ क्या है? राजनैतिक प्रशासनिक ढाचां क्या है? महिला भूमि जमीन सम्पत्ति सम्बन्धी अधिकार, महिला हिंसा व शोषण होने पर क्या किया जाये? कैसे संगठित होकर हम अपने आपको व एकल महिलाओं को मजबूत बना सकते है, एकल महिलाओं के लिए सरकारी योजनाऐं क्या क्या है? आदि के बारें मे समझा गया।

प्रशिक्षण के दौरान जोश के साथ नारे लगाती सदस्याऐ व सन्दर्भ देते अधिकारी

➢ ब्लाक नेतृत्वकर्ता क्षमतावर्धन प्रशिक्षण

प्रशिक्षण के दौरान समूह चर्चा की प्रस्तुती देती सदस्याऐ।

संस्थान द्वारा अलग–अलग स्तर के कार्यकर्ताओं को उनकी आवश्यकतानुसार क्षमतावर्धन के लिए अलग–अलग प्रकार के प्रशिक्षण दिये जाते है। जिससे की नेतृत्वकर्ताओं की क्षमता मे विकास होता रहे व संस्थान व समुदाय आधारित कार्य को मजबूती मिलती रहे। इसी वर्ष एकल महिला ब्लाक नेतृत्वकर्ताओं के महिला भूमि अधिकार, महिला किसान व जैविक खेती, पंचायत स्तर पर एकल महिलाओं के कार्य को मजबूत करने, बच्चों के साथ होने वाली छेड़छाड व यौन हिंसा से सम्बन्धित समझ बनाने व कार्य करने से

सम्बन्धित प्रशिक्षण आयोजित किये गये। प्रशिक्षण के पश्चात् एकल महिला लीडर्स की समझ व ब्लाक कार्य पर काफी प्रभाव पडा –

- महिला किसान जैविक खेती प्रशिक्षण मे भागीदारी – 85 महिला किसान नेतृत्वकर्ता।
- महिला भूमि अधिकार सम्बन्धित प्रशिक्षणों मे भागीदारी – 67
- जेण्डर सेसेटिवीटि व एकल महिलाओं के कार्य को मजबूत करने हेतू प्रशिक्षण मे भागीदारी –100

क्षमतार्वधन प्रशिक्षण समूह चर्चा करती एकल महिला लीडर्स व प्रशिक्षक एकल महिला लीडर्स को खेल खिलाते हुए।

शैक्षणिक भ्रमण

➢ एक्पोजर विजिट तिरुपति, आन्ध्रप्रदेश –

दिनांक 23 मई 2023 को तिरुपति आन्धाप्रदेश मे जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय मे बैठक आयोजित की गई। जिसमे RYSS (रायतु साडीकारा समस्ता) आन्ध्रप्रदेश का परिचय देते हुए जानकारी दी गई कि यह एक संस्था है जो पूरे आन्ध्रा मे प्राकृतिक खेती पर कार्य करती है। इस बैठक मे 9 एनजीओ के 20 प्रतिनिधियो ने भाग लिया।

बैठक मे बताया गया कि तिरुपति मे 285 हेयक्टर मे प्राकृतिक खेती की जाती है इनके द्वारा 33 मण्डलो मे काम किया जा रहा है। यहा काम का माडल बना रखा है। जिसको डीपीएम कहा जाता है। व इसको 1–3 लेवल मे बांट रखा है।

1. नम्बर : 1 लेवल वाले मास्टर ट्रेनर का कार्य करते है जो 2–3 कलस्टर मे कार्य करते है।
2. नम्बर : 2 लेवल वाले 3–4 ग्राम पंचायतो मे काम करते है।
3. नम्बर : 3 लेवल वाले 2–3 गांव संगठनो मे कार्य करते है व लेवल 2 वाले के मार्गदर्शन मे कार्य करते है।

इस विजिट में अलग–अलग प्राकृतिक खेती करने वालो किसानो के खेतो का एक्पोजर भी करवाया गया। राजस्थान से 2 महिला किसान लीडर्स मंशा देवी व विष्णु कंवर ने भागीदारी निभाई।

- **महिला किसान एक्पोजर विजिट दौसा –**

RYSS (रायतु साडीकारा समस्ता) आन्ध्रप्रदेश संस्था व राजिविका के साथ कॉलेब्रेशन मे एकल नारी शक्ति संस्थान से दौसा जिले की 4 महिला किसान व कोटा से 1 महिला किसान लीडर ने दौसा जिले के 3 गांव मे RYSS 3 की बहिनों के साथ 5 दिवसीय प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण लिया। प्रशिक्षण के दोरान एटीएम मॉडल, सूर्य मॉडल, बीकेम मॉडल व किटनाशक तैयार करना सीखा। प्रशिक्षण से आने के बाद महिला किसान लीडर्स ने अपने अनुभव साझा किये और कहा कि वह अपने –अपने खेत मे इस तरह के मॉडल तैयार करेगी व अन्य महिला किसानो को भी सिखायेगी।

राजस्थान मे RYSS (रायतु साडीकारा समस्ता) के साथ यह पहला अनुभव है कि किसी अन्य संस्था/संगठन को उनके प्रशिक्षण कार्यक्रम मे मौका दिया गया।

प्रशिक्षण के दोरान जैविक खेती व देशी खाद बनाने की विधी सीखती महिला किसान व लीडर्स महिलाऐ।

- **संगठनो की सांझी यात्रा – 17–21 मार्च 2024**

अहमदाबाद, कामा होटल मे 17–21 मार्च 2024 जनसंगठनो की सांझी यात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें देश के 4 राज्यों (राजस्थान, गुजरात, उत्तरप्रदेश व बंगाल) के 8 महिला संगठनो के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस सांझी यात्रा का मुख्य उद्देश्य था कि हर लम्बें सफर मे एक ठहराव महत्वपूर्ण होता है कुछ पल रुक कर

साथी यात्रा मे शामिल अलग अलग राज्य के प्रतिनिधी

रास्तो को देखना, समझना, पूरी हुई यात्रा को दिल दिमाग व शरीर मे उतारना और फिर आगे चल पड़ना। इसके बिना कोई यात्रा पूरी नही होती। इस 5 दिवसीय यात्रा के दोरान साथियों ने अपने अपने संगठन के अनुभव, चुनौतिया सभी के साथ साझा की व एक दूसरे के अनुभव से बहुत कुछ सीखा। अपने सफर को वापस से एक बार मुड़कर अपने साथियों के साथ ताजा किया। व नारीवादी आन्दोलनो और संगठनात्मक कार्यो को समय लेकर गहराई से समझने की कोशिश की गई ताकि इसी बहाने से कुछ नये आयाम मिल जाये। इस यात्रा मे राजस्थान से 5 संभागियों ने भाग लिया। जिसके लिए संभागियों ने अपने साथियों के साथ मिलकर 1999 से लेकर अब तक की यात्रा को फिलप चार्ट पर उकेरा। यात्रा के दोरान फिल्ड विजिट भी की गई। जो बहुत रोमांचक होने के साथ ही हमारे कार्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण रही।

धूमधाम से मनाये विशेष " सामूहिक महिला दिवस" कार्यक्रम

बहिनादूज का रंग महिला मतदाता जागरुकता के संग कार्यक्रम

बहिनादूज पर मतदान संकल्प करवाते हुए एकल महिलाऐ

इस बार बहिनादूज जश्न बहिनचारे का कार्यक्रम 16–22 नवम्बर 2023 को आयोजित किया गया जो कि बहुत ही स्पेशल था। क्योंकि राजस्थान मे विधानसभा चुनाव आयोजन के कारण आचांर संहिता लगी हुई थीं। जिससे कि सामूहिक आयोजन पर रोक लगी हुई थी। इसलिए इस बार इस कार्यक्रम को अलग थीम के साथ मनाया गया। जिसमे 3 बडे कार्यक्रम जिला स्तर पर, 7 बडे कार्यक्रम ब्लाक स्तर पर व 171 ग्राम पचायतों मे यह बहिनादूज जश्न बहिनचारें का धूमधाम से मनाया गया व कार्यक्रम मे 3103 संभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की थीम –"**बहिनादूज का रंग, महिला मतदाता जागरुकता के संग**" रखा गया। कार्यक्रम के दोरान निर्वाचन विभाग के साथ मिलकर लाल चुनरी मे सजधज कर आई एकल व अन्य महिलाओं ने धूमधाम से रेली आयोजन, संगोष्टी, गीत, नारे व नाटक मंचन किये व महिलाओं को अपना अमूल्य मतदान देने व सही व्यक्ति का चुनाव करने के लिए जागरुक किया। इस बार इस आयोजन मे निर्वाचन आयोग, जिला परिषद व सामाजिक न्याय एंव अधिकारिता विभाग का बहुत सहयोग रहा।

अर्न्तराष्ट्रिय महिला किसान दिवस का आयोजन

संस्थान द्वारा 30 ब्लाकस की 43 पचायतो मे एकल महिला लीडर्स द्वारा अर्न्तराष्ट्रीय महिला किसान दिवस धूमधाम से मनाया गया। जिसमे 791 महिला किसानो ने भाग लिया।

महिला किसान दिवस के मौके पर एकल महिला लीडर्स द्वारा पंचायत स्तर पर बैठके, ब्लाक स्तर पर सम्मेलन, संगोष्ठी व रैली आयोजन भी किये गये। कार्यक्रमो के दोरान मे महिला किसान की पहचान, संसाधनो तक उनकी पहुॅच, परम्परागत खेती, बीज संरक्षण, महिलाओं के अनुभव, कृषि मे महिलाओं की भागीदारी, पारम्परिक संस्कृति का हस्तान्तरण, पर्यावरण संरक्षण व जैविक कृषि पर चर्चा की गई। महिला किसानो ने माना कि वह खेती मे 75 प्रतिशत कार्य मे सहयोग करती है, लेकिन उनको महिला किसान का दर्जा नही है। किसान उसी को माना जाता है जिसके नाम जमीन हो, और हमारे नाम जमीन नही हैं। हमें फसल से आने वाले पैसे को भी खर्च करने का पूर्ण अधिकार नही है। इसके लिए हमारी निर्णय मे भागीदारी बहुत ही कम है। कुछ महिला किसानो ने अपने विचार रखते हुए कहा कि रासायनिक खेती के कारण आज हर आदमी जहर खा रहा है और अनेको बिमारियों से ग्रसित है, हमे वापस अपने पुराने पारम्परिक तरीको के साथ खेती करना चाहिए।

महिला किसान दिवस का आयोजन करते व ब्लाक स्तर पर महिला किसान सम्मेलन का उद्‌घाटन करती सदस्याए

हमारी पहचान, महिला किसान.......

खेत मे खलिहान मे, फिर क्यों नहीं विधान में ....

8 मार्च अर्न्तराष्ट्रिय महिला दिवस का आयोजन

एकल नारी शक्ति संस्थान द्वारा संस्थान कार्यक्षेत्र 21.ब्लाको की 21 पंचायतो मे 8 मार्च अर्न्तराष्ट्रीय महिला दिवस धूमधाम से मनाया गया। महिला दिवस के उपलक्ष्य मे एकल महिला व अन्य महिलाओं द्वारा इस उपलक्ष्य मे पंचायत स्तरीय संगोष्ठी, नारा लेखन, रैली आयोजन किये गये। व महिलाओं पर होने वाली अलग–अलग प्रकार की हिंसाऐ, सुरक्षित कार्यस्थल, पंचायतो मे भागीदारी, संवैधानिक अधिकारों व जेण्डर समानता के बारें मे चर्चा की गई। महिलाओं ने इस दिवस को धुमधाम से सेलीब्रेशन किया।

अर्न्तराष्ट्रिय महिला दिवस पर रैली निकाते हुए एकल महिलाऐ

अर्न्तराष्ट्रिय विधवा दिवस, (एकल महिला सशक्तिकरण दिवस) का आयोजन

17–23 जून 2023 को संस्थान के कार्य क्षेत्र मे साप्ताहिक अर्न्तराष्ट्रीय विधवा दिवस (एकल महिला सशक्तिकरण दिवस) एकल महिलाओं द्वारा अपने–अपने क्षेत्र मे धूमधाम से मनाया गया। जिसमें महिलाओं ने अपने –अपने क्षेत्र मे नरेगा कार्यस्थल पर बैठके, संगोष्ठी, रैली का आयोजन किया गया। बैठको मे विश्वभर मे एकल महिलाओं की स्थिति, उन पर होने वाली हिंसा शौषण, सामाजिक कुरितियॉ, जातिगत भेदभाव, पितृसत्तात्मक सोच व संवैधानिक अधिकार व एकल महिलाओं की समस्याओं पर चर्चा की गई। यह कार्यक्रम 70 से अधिक ब्लाको मे आयोजित हुऐ।

महिला प्रधान को ज्ञापन देती एकल महिलाऐ

हम भारत की नारी है, बराबर की दावेदारी है

<u>महिला सुरक्षा एंव सलाह केन्द्र – कोटा</u>

राजस्थान सरकार द्वारा 2011 मे महिला सुरक्षा एंव सलाह केन्द्र, कोटा शहर संचालित करने की जिम्मेदारी एकल नारी शक्ति संस्थान को दी गई है। संस्थान पिछले 13 सालो से केन्द्र का सफलतापूर्वक संचालन कर रहा है। इसी साल मार्च 2023 मे दोबारा राजस्थान सरकार द्वारा विज्ञप्ति जारी कर राजस्थान मे और अधिक केन्द्र स्थापित किये गये। जिसमें वापस से एकल नारी शक्ति संस्थान का कार्य देखते हुए कोटा शहर के केन्द्र संचालन की जिम्मदारी दी गई।

केन्द्र पर इस वर्ष 2023–24 मे 421 प्रकरण प्राप्त हुऐ जिनमे से 413 निष्पादित किये गये व 8 प्रक्रियाधीन है। 413 प्रकरणो मे उचित सलाह, परामर्ष व मार्गदर्षन देकर समस्या का निदान किया गया। मुख्य रुप से कुछ आकड़े है –

- 9 महिलाओ को स्त्रीधन दिलवाने मे सहयोग।
- 21 महिलाओ को उनके बच्चो की अभिरक्षा दिलवायी।
- 47 एफआईआर व पुलिस परिवाद दर्ज करवाने मे सहयोग जिनमे समस्या आ रही थी।
- 1 निराश्रित महिलाओं को आश्रय दिलवाया।
- 182 महिलाओं को वैवाहिक घर मे रहने के महिला अधिकारो का संरक्षण।
- 10 महिलाओ को विधिक सहायता दिलवायी।
- 28 महिला घरेलू हिंसा संरक्षण केस दायर करने मे सहयोग।
- 17 दहेज प्रकरण मामलों मे उचित कार्यवाही मे सहयोग।
- 2 हिंसा मुक्त समाज बनाने के लिए विचार संगोष्ठीयों कार्यषालाओं मे भाग लिया।
- 13 व्यथित महिला के संरक्षण हेतू सम्बन्धित व्यक्तियों पर पुलिस की पाबन्दी मे सहयोग।
- 2 कोर्ट से भरण पोषण आदेष प्राप्त करने मे सहयोग किया।
- अन्य विभिन्न प्रकार की समस्या मे सलाह, मार्गदर्षन व परामर्ष के माध्यम से पिड़ित महिलाओं को सहयोग किया।

महिला सुरक्षा एंव सलाह केन्द्र, कोटा शहर का उद्घाटन माननीय जिला पुलिस अधिक्षक शरद चोधरी, अति.पुलिस अधीक्षक उमा शर्मा, महिला अधिकारिता परियोजना अधिकारी मनोज मीणा द्वारा

संस्थान की इस वर्ष उपलब्धियॉ

एकल महिला नेतृत्वकर्ताओं द्वारा एकत्रित डोनेशन रिकार्ड 2023–2024

- मेम्बरशीप फीस साधारण सभा सदस्य, ब्लाक कमेटी सदस्य व आम सदस्य – 1,30,600.00 रुपये
- बहिनादूज कार्यक्रम हेतू केश डोनेशन प्राप्त हुआ – 1,32,511.00 रुपये
- अन्य डोनेशन अलग–अलग दानदाताओं द्वारा – 1,45,477.00 रुपये
- संस्थान कोर्पस फन्ड व एफडी ब्याज – 1,74,618.00 रुपये
- महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र – 4,38,236.00 रुपये
- मारीवाला फीलोन्थ्रोपी इनिशियटीव – 3,00000.00 रुपये

....

13,21,442.00

हमारे दानदाता (डोनर्स)

- राजस्थान सरकार
- अजीम प्रेमजी फाउन्डेशन
- मारीवाला फिलोनथ्रोपी इनिशियटिव
- एकल महिलाऐ
- सदस्यता राशि
- स्थानीय स्तरीय दानदाता
- स्थानीय रिसोर्सेज के रुप मे

संस्थान की संस्थागत ढ़ाचा व आर्थिक ढॉचे की मजबूती के बारे मे

- संस्था का संस्थागत ढ़ाचे मे मजबूती आई कार्यकारिणी की भागीदारी मेनेजमेन्ट मे बढ़ी।
- संस्थान कार्यकारिणी सदस्य व अन्य लीडर्स स्थानीय स्तर पर डोनेशन एकत्रित करने मे पूर्ण भूमिका निभा रहे है। जिससे सस्थान को आर्थिक मजबूती मिले व भागीदारी बढे।
- संस्थान का अपना पूरा स्वंतन्त्र अकाउन्टस सिस्टम है।
- संस्था की सभी लीगल कम्पलायंस समय पर पूरी की जाती है।
- वर्तमान मे संस्था का 80 जी व 12 ए रजिस्ट्रेशन है।
- एकल महिला नेतृत्वकर्ता पहले से ज्यादा सकिय हुए व निर्णयों मे भागीदारी बढी।

संस्थान द्वारा चलाये गये साक्षरता शिविर की सफल केस स्टडी व अनुभव

एकल नारी शक्ति संस्थान मे एकल महिलाऐ व नेतृत्वकर्ता किसी मायने मे कमजोर नही है। लेकिन कुछ एकल महिला नेतृत्वकर्ता जिनके अन्दर नेतृत्व गुण छीपे है और व सशक्त लीडर भी है, साथ ही अपने क्षेत्र मे कार्य भी बहुत मजबूती के साथ कर रही है। लेकिन कही ना कही पढ़ा लिखा ना होना उनके लिए एक बड़ी चुनौति से कम नही है। संस्थान पिछले 3 साल से ऐसी एकल महिला लीडर्स, वोलियन्टर्स के लिए 6 माह की साक्षरता क्लास का संचालन किया। जिससे काफी एकल महिला लीडर्स अपना लिखने पढने का कार्य स्वयं करने लग गये, और उनका आत्मविश्वास भी बढा।

इसी वर्ष भी संस्थान द्वारा जून से नवम्बर 2023 तक 5 साक्षरता शिविरो का आयोजन किया गया। जिसमे एक कार्यकर्ता के साथ 8–10 एकल व अन्य महिलाओं ने पढना लिखना सीखा। यह पांच प्रशिक्षण दौसा, टोंक, हनुमानगढ, धोलपुर, झालावाड जिलो मे आयोजित हुए। जिसमें 46 महिलाओं ने पढना लिखना सीखा।

बहिनो के कुछ अनुभव –

जमीला बानो – जमीला बानो, उम्र 50 पंचायत मेंन्दवास, जिला टोक संस्थान मे ब्लाक नेतृत्वकर्ता के रुप मे कार्य कर रही हूॅं। पढा लिखा नही होने के कारण मुझे काम के दोरान बहुत समस्या आती थी। बार–बार दूसरो का सहयोग लेना पडता था। लेकिन अब मे साक्षरता क्लास मे पढने से लिखना पढना सीख गई और मेरे साथ 7 अन्य महिलाऐ भी लिखना पढना सीखी। इसी उम्र मे पढना लिखना मुश्किल था, लेकिन कर दिखाया। अब मै बहुत खुश हूॅं।

चुन्नी बाई – लालसोट दौसा की निवासी है, उम्र 48 वर्ष है। चुन्नी बाई बहुत मजबूत है और उनमे लीडरशीप क्षमता भी कूट कूट के भरी है। चुन्नी बाई कहती है कि पढा लिखा नही होने के कारण कोई भी मुझे बेवकूफ बना देता था। और कई बार तो अधिकारी भी दुत्कार के भगा देते थे। मुझे बहुत दुख होता था और हमेशा सोचती थी कि यदि मे पढ लिख जाती तो यह दिन नही देखना पड़ता। और फिर मैने संस्थान द्वारा चलाये गये 6 माह के साक्षरता शिविर मे भाग लिया तो मै पढना लिखना सीख गई। अब मै फिल्ड मे जाती हू तो खुद अपना पढाई लिखाई का काम स्वय करती हूॅं। मेरी खुशी का कोई ठिकाना नही।

साक्षरता हमें जगाती है,
शौषण से बचाती है।
पढ़ेगे, पढ़ायेगे ....
साक्षर समाज बनायेगे।

संस्थान के द्वारा एकल महिलाओं के लिए किये गये कार्यो के आंकडे – 1 अप्रेल 2023 से 31 मार्च 2024

- **संस्थान से जुड़ी एकल महिलाऐ – 94,557**
- **पंचायत स्तरीय बैठको मे भागीदारी निभाने वाले संभागियो की संख्या –**

एकल महिलाऐ 76,865, अन्य महिलाऐ : 15183 पुरुष 4660 प्रशासनिक अधि.व जनप्रतिधि : 1443

क. सं.	विवरण		संख्या
1	कितने पेंशन फार्म भरे	विधवा	1353
		स्वीकृत हुए	671
		वृद्धावस्था	781
		स्वीकृत हुए	393
		परित्यकता	253
		स्वीकृत हुए	196
		विकलांग	229
		स्वीकृत	149
3	कितनी रूकी हुई पेंशन शुरू हुई	विधवा	1557
		वृद्धावस्था	673
		परित्यकता	237
		विकलांग	4
4	कितनी एकल महिलाओं को संगठन ने सरकारी कार्यक्रमों और योजनाओं से लाभ दिलाने में मदद की	पन्ना धाय जीवन अमृत योजना फार्म भरे	0
		स्वीकृत हुए	0
		विधवा पालनहार योजना फार्म भरे	668
		स्वीकृत हुए	560
		निराश्रित बाल–गृह योजना फार्म भरे	0
		स्वीकृत हुए	0
		विधवा पुर्नविवाह योजना फार्म भरे	0
		स्वीकृत हुए	0
		विधवा की पुत्री की शादी के फार्म भरे	205
		स्वीकृत हुए	68
		बी.पी.एल सूची में नाम जुड़वाया	0

		राशन की दुकान से अनाज मिला	1557
		काम/रोजगार मिला	3269
		जॉब कार्ड बनवाये	781
		प्रधानमंत्री आवास योजना के फार्म भरवाये	421
		स्वीकृत हुए	175
		स्वास्थ्य लाभ हेतु– 1. मुफ्त दवा दिलवाई	2953
		2. ऑपरेशन करवाये	228
5	प्रमाण पत्र बनवाये	मृत्यु प्रमाण पत्र	319
		जन्म प्रमाण पत्र	262
		मूल निवासी प्र0 पत्र	286
		जाति प्रमाण पत्र	287
		आय प्रमाण पत्र	312
		विवाह पंजीयन करवाये	154
6	ग्रामीण विकास कार्य करवाये	हेड़पम्प लगवाये,	141
		खरंचा बनवाया,	54
		बिजली लगवायी	213
		शौचालय बनवाये	0
		जनाधार कार्ड बनवाये	0
		आधार कार्ड बनवाये	0
		गैस कनेक्शन दिलवाये	486
		अन्य	0
7	कितनी एकल महिलाओं को जानकारी एवं उचित मार्गदर्शन दिया		10272
8	समझाईश के लिए कितने केस आये व किस प्रकार के?		643
	कितने केसों में सफल समझाईश की?		543
9	कितने महिला अत्याचार/ हिंसा के कितने केस आए	शारीरिक अत्याचार	74
		मानसिक अत्याचार	54
		यौनिक हिंसा	12
10	कितने महिला अत्याचार के कितने केस निपटाए	शारीरिक अत्याचार	58
		मानसिक अत्याचार	16
		यौनिक हिंसा	1
11	कितने जमीन संबधी केस आए	जमीन का बंटवारा	158

		जमीन पर कब्जा	55
12	कितने जमीन संबंधी केस निपटाए	जमीन का बंटवारा	44
		जमीन पर कब्जा	13
		अन्य	7
15	कितने इंतकाल खाते खुलवाए		110
16	कितने पुलिस केस करवाए	महिला अत्याचार	31 आये 22 निपटाये
		जमीन संबंधी	31 आये 17 निपटाये
		अन्य	0
17	कितनी एकल महिलाओं ने संगठन की मदद से रीति–रिवाजों, समाज द्वारा एकल महिला के लिए निर्धारित माप–दंड़ों में परिवर्तन लाया	एकल नारियों के लिए प्रतिबंधित रीति –रीवाजों में भाग लिया	6089
		विधवा मां ने अपने बेटे/बेटी के विवाह की सभी रस्मों में भाग लिया	
		विधवा महिला समाज द्वारा निर्धारित पहनावे/रहन–सहन में परिवर्तन लाई	

❒ हमारें मुद्दें –

- महिला किसान की पहचान व अधिकार जैविक खेती को बढावा देना।
- ज्यादा से ज्यादा एकल महिलाओं की आजिविका से जोडना।
- एकल महिलाओं के भूमि व सम्पत्ति सम्बन्धी अधिकार।
- एकल महिलाओं पर होने वालो शोषण व अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाना।
- बाल उत्पीड़न व यौन शोषण के प्रति जागरुकता व रोकथाम के प्रयास।
- एकल महिला नेतृत्वकर्ताओ का शैक्षणिक क्षमता का विकास।

❒ चुनौतियां –

- पंचायत स्तर पर एकल महिलाओं के कार्य को मजबूत करना व नेतृत्वकर्ताओं मे स्थायीत्व लाना।
- संस्थान का कार्य विस्तृत इसलिए फन्डिग व संसाधन बडी चुनौती है।
- विस्तृत क्षेत्र होने के कारण कार्य की मोनिटरिंग करना।
- संस्थान के लिए एफसीआरए लेना।

संस्थान कार्य क्षेत्र सूची

संस्थान कार्य क्षेत्र ब्लाक व जिलों की सूची

क0सं0	जिला	ब्लाक
1.	कोटा	1. कोटा शहर 2. ईटावा 3. कनवास 4. सांगोद 5. सुल्तानपुर 6. खैराबाद
2.	बून्दी	7. हिण्डोली 8. नैनवां 9. बून्दी शहर
3.	झालावाड	10. मनोहरथाना 11. बकानी 12. झालरापाटन 13. सुनेल 14. इकलेरा
4.	बांरा	15. अटरु 16. छबड़ा 17. बांरा 18. शाहबाद 19. मांगरोल
5.	स0माधोपुर	20. स0माधोपुर
6.	गंगापुरसिटी	21. गंगापुर सिटी
7.	टोंक	22. टोक शहर 23. टोक ब्लाक 24. निवाई 25. उनियारा
8.	भीलवाड़ा	26. बिजौलिया 27. माण्डलगढ
9.	शाहपुरा	28 जहाजपुर 29 शाहपुरा 30 बनेडा
10.	दौसा	31लालसोट
11.	हनुमानगढ	32 भादरा

12.	सीकर	33 खण्डेला
13.	करोली	34. हिण्डोन 35. सपोटरा 36. करोली
14.	भरतपुर	37 बयाना 38 भरतपुर सेवर
15.	झुझुंनू	39नवलगढ
16	धोलपुर	40. बाड़ी
17	नीमका थाना	41. श्रीमाधोपुर
18	उदयपुर	42. झाड़ोल 43. देवला 44. कोटडा 45. पई 46. पडुणा 47. केसरिया जी 48. फलासिया
19	सलुम्बर	49. सलुम्बर 50. सराडा 51. सेमारी
20	राजसमन्द	52. रेलमगरा 53. कुम्भलगढ 54. खमनोर 55. राजसमन्द 56. भीम 57. देलवाड़ा
21	सिरोही	58. पिण्डवाडा 59. आबूरोड
22	डूंगरपुर	60. बिच्छीवाडा 61. चिखली 62. आसपुर 63. गलीयाकोट
23	जोधपुर	64. जोधपुर शहर
24	फलौदी	65. फलोदी 66. बापनी 67. लोहावट
25	जालोर	68. आहोर

26	पाली	69. सोजत सिटी
27	डीडवाना	70. पर्वतसर 71. लाडनू
28	बाडमेर	72. बाडमेर ब्लाक 73. चोहट्टन
29	बलोतरा	74. बायतु
30	प्रतापगढ	75. पिपलखूट 76. प्रतापगढ 77. धरियावद
31	बांसवाडा	78. अरथूना 79. तलवाडा 80. कुशलगढ 81. आनन्दपुरी
32	अजमेर	82. जवाजा 83. पीसांगन 84. अजमेर शहर 85. अराई 86. पुष्कर 87. किशनगढ 88. सिलोरा
33	ब्यावर	89. मसूदा 90. ब्यावर 91. जेतारण 92. रायपुर

विशेष नोट कार्यक्षेत्र के बारे मे – वर्तमान मे संस्थान कार्यक्षेत्र राजस्थान के 33 जिलो के 92 ब्लाक मे है। दिसम्बर 2023 तक यह ब्लाकस 108 थे, जो अभी कम हो कर 92 ब्लाक रह गये है। 1 जनवरी 2024 से 13 ब्लाकस कुछ समय के लिए काम के मूल्यांकन के आधार पर बन्द किये गये है। आगे इन ब्लाकस के साथ कार्य करने की मजबूत कार्यनिति बनाकर काम शुरु करने का प्रयास किया जायेगा।

संस्थान का मिडिया कवरेज

एकल नारी अपने को कभी अकेला नहीं समझे, संगठन उसके साथ है: चन्द्रकला

न्यूज सर्विस/नवज्योति,करौली। दो दिन के गहन विचार मंथन के बाद गुरूवार को आस्था संस्थान के तत्वाधान में यहां के कनक पैलेस में चल रही दो दिवसीय कार्यशाला का समापन एकल नारी शक्ति संस्थान के तत्वाधन में हुआ और उसमें सभी ने एक दूसरे का साथ देने का संकल्प लिया। इस कार्यशाला में 11 ब्लॉक सपोटरा, करौली, हिंडौन, रूपवास, भरतपुर, बयाना, गंगापुरसिटी, बाडी, बसेडी, खण्डार व लालसोट की 120 से अधिक एकल महिलाओं ने दो दिवसीय क्षमता वर्धन प्रशिक्षण में भाग लिया। प्रशिक्षण के प्रथम दिवस में धौलपुर जिले से आई प्रेमवती देवी व उदयपुर आस्था संस्थान से आई पवन उदानी द्वारा संगठन का महत्व व फायदे के बारे में बताया गया साथ ही प्रेमवती ने बताया कि संगठन के बिना समस्या का समाधान करना मुश्किल है। राज्य समन्वयक चन्द्रकला शर्मा द्वारा दो दिवसीय प्रशिक्षण के मुख्य उद्देश्य पर प्रकाश डाला। जिसके अंतर्गत बताया गया कि हम दो दिन में महिलाओं के भूमि सम्पति अधिकार, उन पर होंने वाली हिंसा, नरेगा, गांव में संगठित होकर एकल महिलाओं के मुद्दे उठाना व पंचायत में भागीदारी के बारे में समझेंगे। संगठन की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमति विष्णु कंवर द्वारा बहिनो से प्रशिक्षण को लेकर अपेक्षाएं जानी गई जिसमे बहिनो ने बताया कि हमारी गांव में बहुत सारी समस्याएं है जिसका हम समाधान कैसे करे, ये जानना और सीखना चाहती है। प्रशिक्षण मे आई एकल महिलाओं के छोटे-छोटे समूह बनाकर उसमें गांव व एकल महिलाओं की समस्याओं पर चर्चा की गई। जिसमें मुख्य रूप से निकल कर आया कि नरेगा में मजदूरी नही मिलती और लगाते भी है तो पैसे लेकर या प्रभावशाली लोगों के परिवार के लोगो को लगाते है, नरेगा में भ्रष्टाचार बहुत है, आवास में गरीब एकल महिलाओं के नाम नही आये, खाद्द सुरक्षा में पोर्टल बन्द होने के कारण पात्र महिलाओं के नाम नही जुड़ पा रहे, शराब के ठेके आदि की समस्याएं निकल कर आई। समस्याओं का विश्लेषण व समस्या समाधान के बारे में टीम लीडर रीना शर्मा द्वारा प्रकाश डाला गया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग से आये विनीता एकल महिलाओं को पेंशन, पालनहार, पुत्री विवाह अनुदान आदि विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई।

अबला नहीं है एकल नारी, संघर्ष हमारा रहेगा जारी
खेत में खलिहान में हम फिर क्यों नहीं विधान में

एकल महिला नेतृत्वकर्ताओं के क्षमतावर्धन प्रशिक्षण का शुभारम्भ

कोटा ब्यूरो न्यूज

कोटा 17 अप्रैल। जोशपूर्ण नारों के साथ आज सिंधी पंचायत झुलेलाल समिति डडवाडा कोटा में आस्था संस्थान के तत्वाधान में पंचायत स्तरीय एकल महिला नेतृत्वकर्ताओ के दो दिवसीय क्षमता वर्धन प्रशिक्षण की शुरुआत की गई। जिसमें 8 ब्लॉक की 78 एकल महिला नेतृत्वकर्ताओ ने भाग लिया।

प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य एकल महिलाओं को संगठन का महत्व समझाना, परस्पर एक दूसरे की मदद से कैसे समस्याओं का समाधान करना है समझना, एकल महिलाओं की क्या-क्या समस्याएं हैं उनकी पहचान और विश्लेषण करना व संगठित होकर उसका समाधान निकालना, महिलाओं के जमीन संपत्ति संबंधी कानूनी अधिकार, सरकारी योजनाओं की जानकारी व ग्राम सभा में भागीदारी का महत्व समझना है प्रशिक्षण के दौरान आज पंचायत स्तरीय लीडर्स के अलग-अलग समूह बनाकर समस्याओं की पहचान की गई जिसमें मुख्य रूप से निकलकर आया की नरेगा में काम की मांग करते हैं तो आवेदन की रसीद नहीं दी जाती व पूरे 100 दिन काम नही मिल पा रहा, ऑनलाइन हाज़री में भी बहुत भरस्टाचार है, खाद्य सुरक्षा में कुछ जरूरतमंद लोगों के नाम अभी भी छूटे हुए हैं, कुछ महिलाओं के जमीन संपत्ति के केस निकल कर आए हैं कि पति की मृत्यु के बाद भी ससुराल वाले उनको अपना अधिकार नहीं दे रहे, कुछ गरीब महिला किसानों की समस्या निकल कर आए की प्रकृति के ... हर बार फसल ख... और मुआवजा नाम... है इसके लिए पुरु... कर लेते हैं पर हम... अपने बच्चों को छो... कर सकते हैं हमें ... के लिए संघर्ष क... आस्था संस्थान ... पवन उदानी ने ... विश्लेषण किया। सामाजिक न्या... विभाग से आए परमानंद कुमार ने एकल महिलाओं से संबंधित सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जिसमें मुख्य रुप से विधवा तलाकशुदा परित्यक्ता पेंशन, पालनहार योजना विधवा बेटी की पुत्री की विवाह योजना, सरकार द्वारा जून से बढ़ाई जाने वाली पेंशन राशि व पालनहार राशि, अप्रैल माह में पेंशन सत्यापन करवाना व महंगाई राहत कैंप आदि के बारे में जानकारी दी।

21 राजस्थान पत्रिका
करौली, बुधवार, 28 जून, 2023

क्षमतावर्धन प्रशिक्षण

समस्याओं के समाधान को रहें संगठित

करौली. क्षमतावर्धन प्रशिक्षण शिविर में उपस्थित महिलाएं।

करौली@ पत्रिका. एकल नारी शक्ति संस्थान की ओर से मंगलवार को यहां एक कनक होटल में 11 ब्लॉकों की एकल महिलाओं का दो दिवसीय क्षमतावर्धन प्रशिक्षण आयोजित हुआ। प्रशिक्षण में सपोटरा, करौली, हिण्डौन, रूपवास, भरतपुर, बयाना, गंगापुरसिटी, बाड़ी, बसेड़ी, खंडार व लालसोट की 120 से अधिक एकल महिलाओं ने भाग लिया। प्रशिक्षण के पहले दिन धौलपुर जिले से आई प्रेमवती देवी व उदयपुर आस्था संस्थान से आई पवन उदानी ने संगठन का महत्व व फायदे के बारे में जानकारी दी। साथ ही प्रेमवती ने बताया कि संगठन के बिना समस्या का समाधान कराने में परेशानी होती है। राज्य समन्वयक चन्द्रकला शर्मा द्वारा दो दिवसीय प्रशिक्षण के मुख्य उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि प्रशिक्षण में महिलाओं के भूमि सम्पति अधिकार, उन पर होने वाली हिंसा, मनरेगा, गांव में संगठित होकर एकल महिलाओं के मुद्दे उठाना व पंचायत में भागीदारी के बारे में जानकारी दी जाएगी। संगठन की प्रदेश अध्यक्ष विष्णु कवर ने महिलाओं से प्रशिक्षण को लेकर चर्चा की। प्रशिक्षण में आई एकल महिलाओं के छोटे- छोटे समूह बनाकर उसमें गांव व एकल महिलाओं की समस्याओं पर चर्चा की गई। राज्य समन्वयक चन्द्रकला शर्मा ने बताया कि इस दौरान मुख्य रूप से मनरेगा में रोजगार की समस्या सामने आई। समस्या समाधान के बारे में टीम लीडर रीना शर्मा ने जानकारी दी।

देवशयनी एकादशी

अल्पसंख्यक के लाभार्थियों को

विषाक्त के सेवन से बालक की हालत गंभीर

प्राथमिक उपचार के बाद झालावाड़ रेफर

- शाहिद मोहम्मद

आंगनबाड़ी सुपरवाईजर मांगती है रिश्वत, हटाने की देती है धमकी

एकल नारी शक्ति संगठन ने की कार्रवाई की मांग

कोटा 5 दिसम्बर। एकल नारी शक्ति संगठन इटावा के सदस्यों के पास आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की समस्या निकलकर आयी कि महिला बाल विकास विभाग की अपना सेक्टर व इटावा तह. पीपल्दा की महिला सुपरवाईजर इन्दु अटल पत्नी अभिमन्यु अटल उनकी सेक्टर की सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से प्रतिमाह दो दो हजार रूपये रिश्वत के मांगी है और नहीं देने पर आंगनबाड़ी की व कार्यकर्ता की गलत रिपोर्ट बनाकर केन्द्र से हटाने की धमकी देती है। स्वयं राशि नहीं लेती अलग अलग कार्यकर्ताओं को यह राशि एकत्रित करने की जिम्मेदारी देती है। इन आंगनबाड़ियों में लगभग 12-15 एकल महिला भी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता है। जो यह राशि नहीं दे सकती उनका पूरा परिवार इस पर आश्रित है। यह शुरू से इसका विरोध ... पर कोई जांच व कार्यवाही नहीं हुई है और अपने प्रत्येक कार्यस्थल पर इस प्रकार की कई शिकायत के चलते उन्हें वहां से हटाया जा चुका है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता जब से उनकी शिकायत लेकर उच्च अधिकारियों के पास जाने लगी है। उन्हें आये दिन काम से हटाने की धमकियां मिल रही है। संगठन के संज्ञान में आने के बाद संगठन द्वारा मुद्दे की गंभीरता को समझते हुए इटावा की संगठन कार्यकर्ता अकोला बानो व आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा उच्च अधिकारियों को इस मामले से दोबारा अवगत करवाया गया और तुरन्त प्रभाव से इस पर कार्यवाही करने के लिए कहा गया। संगठन पिछले 20 सालों से भ्रष्टाचार रिश्वतखोरी व क्षेत्र में आने वाले कई मुद्दे उठाता आ रहा है। इस सम्बंध में महिला बाल विकास डिप्टी डायरेक्टर श्रीमती कृष्णा शुक्ला को संगठन सदस्य व आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा तुरन्त प्रभाव से कार्यवाही करने हेतु दोबारा ज्ञापन दिया गया।

...तहत बनेगी सड़कें

कोटा, बुधवार, 22 नवंबर, 2023 | 06
कोटा

• सुख-दुख में मदद का वादा किया, 100 % मतदान का संकल्प लिया

एकल महिलाओं ने चुनरी ओढ़ कर बहना दूज मनाई

सिटी रिपोर्टर | कोटा

एकल नारी शक्ति संस्थान व सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग की ओर से बहना दूज का कार्यक्रम आयोजित किया। यहां एकल महिलाओं ने लाल चुनरिया ओढ़कर मतदान का संकल्प लिया। यह आयोजन संस्थान कार्यालय सिविल लाइन में हुआ। इसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। इसमें शहर की अन्य सामाजिक ... संस्थान की ओर से बहन दूज पर्व 2016 से एकल नारी शक्ति संस्थान की ओर से पूरे प्रदेश में मनाते आ रहे हैं। प्रदेश में यह कार्यक्रम 22 दिसंबर तक मनाया जाएगा। मुख्य उद्देश्य महिला का महिला से मजबूत रिश्ता बने और एक दूसरे के सुख-दुख में साथ निभाने का वादा करती हैं। इसी साल यह कार्यक्रम महत्वपूर्ण रहा है। क्योंकि बिना दूज के पर्व के साथ मतदाता का त्योहार मतदाता जागरूकता पर भी जुड़ा है। बहनों ने कार्यक्रम में लाल चुनरिया ओढ़ कर सभी ने एक दूसरे को धागा बांधा। सभी ने संकल्प लिया कि वे एक दूसरे को हर दुख-सुख में सहयोग करेंगी। यहां मतदाता जागरूकता के लिए भी संकल्प लिया कि वे सभी मतदान करेंगी और आसपास लोगों को मतदान करवाएंगी। इस मौके पर सहयोगी संस्था यज्ञदत्त हाड़ा, अनवर अहमद खान, राजाराम कर्मयोगी जैन, अलका दुलारी, शिमला गौतम, शांति बाई आदि मौजूद रहे।

मतदान का दिया संदेश

जिप सीईओ ममता तिवारी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। महिलाओं में मतदाता जागरूकता पर नारे लगाए। नृत्य कर कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी। संचालन संस्थान समन्वयक निदेशक चंद्रकला शर्मा ने किया। मतदाता जागरूकता को लेकर कार्यालय से कलेक्टेट तक रैली निकाली। महिलाओं ने मानव श्रृंखला बनाकर वोट देने का संदेश दिया। रैली का संचालन टीम लीडर रीना शर्मा, क्षेत्रीय एकल महिला लीडर गजराज कंवर आदि मौजूद रहे।

कोटा दैनिक भास्कर

कोटा, बुधवार, 17 जनवरी, 2024

...रोटरी बिनानी, भीममंडी स्कूल, दाऊदयाल जोशी चिकित्सालय में शिविर लगेंगे।

रिश्वत : आंगनबाड़ी सुपरवाइजर की जमानत अर्जी खारिज

कोटा | न्यायालय ने रिश्वत के मामले में आंगनबाड़ी सुपरवाइजर इन्दू अटल पत्नी अभिमन्यु सिंह निवासी महावीर नगर विस्तार योजना कोटा हाल महिला पर्यवेक्षक कार्यालय महिला एवं बाल विकास विभाग इटावा जिला कोटा की ओर से पेश की गई अग्रिम जमानत की अर्जी खारिज कर दी।

शहर में आज इन इलाकों में बिजली बंद रहेगी

जननायक

कोटा : मंगलवार 18 अप्रेल 2023 | 3

अबला नहीं है एकल नारी, संघर्ष हमारा रहेगा जारी

एकल नारी महिलाओं का दो दिवसीय क्षमतावर्धन प्रशिक्षण शुरू

राजस्थान पत्रिका | 05

एकल महिलाओं का दो दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

राष्ट्रदूत हिण्डौन सिटी, 28 जून, 2023

दैनिक भास्कर

जयपुर, शनिवार, 18 नवंबर, 2023 | 16

एकल महिलाओं ने बहिना दूज जश्न का रंग मनाया

टोंक। बहिना दूज जश्न का रंग मनाती एकल महिलाएं।

टोंक| एकल नारी संगठन की ओर से भूतेश्वर महादेव मंदिर परिसर में बहिना दूज जश्न का रंग, महिला मतदाता के संग आयोजित किया गया। संगठन से जुड़ी ममता सैनी, महिमा सोनी ने बताया कि एकल नारी संगठन की महिलाओं ने रूढ़िवादिता को तोड़ने के लिए मेहंदी, बिंदी लगाकर, लाल चूंदड़ी ओढ़कर खुशी से नृत्य किया। संगठन की महिलाएं हर वर्ष भाई-दूज त्यौहार के बाद बहिना दूज की खुशी मनाती हैं। इस मौके पर महिला मतदाताओं को विधानसभा चुनाव में महिला मतदाता की भागीदारी व महत्व बताया गया।

कोटा। सोमवार 30 अक्टूबर 2023

दैनिक चम्बल संदेश

बच्चों की सुरक्षा के बारे में दिया प्रशिक्षण

संदेश न्यूज। कोटा. एकल नारी शक्ति संस्थान की ओर से राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान कोटा में 14 जिलों की 40 ब्लॉक स्तरीय एकल महिला लीडर्स को बच्चों की सुरक्षा व संरक्षण के बारे में दो दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। चन्द्रकला शर्मा, समन्वयक निदेशक एकल नारी शक्ति संस्थान ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान पहले दिन छोटे बालक-बालिकाओं के साथ किस किस प्रकार की हिंसा व शोषण कहां-कहां पर होता है और उनके साथ क्या समस्याएं हैं, इस पर चर्चा की गई। जिसमे समूह में मुख्य रूप से निकल कर आया कि बच्चे घर, बाहर, स्कूल कहीं पर भी सुरक्षित नहीं है। बच्चे डर के मारे अपनी बात किसी के साथ साझा भी नहीं करते, आए दिन छोटी बच्चियों व लड़कों के साथ शोषण, यौन हिंसा, बलात्कार की घटनाएं हो रही हैं। जयपुर से आए दिशा संस्थान के कुशाल सिंह राजावत ने बताया कि किस तरह आंगनवाड़ी स्कूल आदि में बच्चों को अच्छे और बुरे स्पर्श के बारे में समझा सकते हैं। प्रशिक्षण के दौरान एक एक्टिविटी करवाई गई। जिसमें 40 लोगों को पर्ची देकर बिना नाम लिखे यह पूछा गया कि आपके साथ बचपन में किसी प्रकार का यौन हिंसा छेड़छाड़ हुई है। इसमें 40 में से 36 महिलाओं ने लिखा कि उनके साथ बचपन में पड़ोसी उनके परिवारजन के किसी सदस्य ने छेड़छाड़ की। कुछ ने बताया कि कई साल तक उनके साथ यौन हिंसा भी हुई और उन्होंने डर के मारे किसी को नही बताया। इस प्रशिक्षण के माध्यम से यह भी एक समझ बनी कि यह स्थिति आज ही नहीं है यह बरसों से भी चली आ रही है लेकिन समाज के डर से परिवार वालों द्वारा यह सब बातें छुपाई जाती है। कार्यक्रम का संचालन जोधपुर की रूपा देवी व अकेला बानो द्वारा किया गया।

कोटा : सोमवार 30 अक्टूबर 2023 | 6

जननायक

दो दिवसीय क्षमतावर्धन प्रशिक्षण आ...

जननायक संवाददाता

कोटा। एकल नारी शक्ति संस्थान की ओर से राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान कोटा में 14 जिलों की 40 ब्लॉक स्तरीय एकल महिला लीडर्स का बच्चों की सुरक्षा, बाल यौन शोषण व संरक्षण के पर दो दिवसीय क्षमतावर्धन प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रथम दिवस में छोटे बालक बालिकाओं के साथ किस प्रकार की हिंसा, व शोषण कहां पर होता है। उनके साथ क्या समस्याएं हैं। इस पर चर्चा की गई। जयपुर से आए दिशा संस्थान से कुशाल सिंह राजावत ने संभागियों को प्रशिक्षण दिया। उन्होंने बताया कि ... काम के साथ अपने क्षे... आंगनवाड़ी स्कूल आदि ... को अच्छे और बुरे स्पर्श ... समझा सकते हैं। बच्चे ... इस तरह की समस्याएं दे... किस तरह से उन पर ए... है। क्या सावधानियां ... प्रशिक्षण में आए सं... अपनी पंचायत के सरका... प्राइवेट स्कूल, आंगनबाड़ी ... बस्ती और अपने परिवा... काम की शुरुआत करने का निर्णय लिया। कार्यक्रम का संचालन जोधपुर से रूपा देवी कोटा से अकीला बानो ने किया।

साहित्य के विभिन्न विषयों पर काव्य पाठ

दैनिक नवज्योति

सोमवार | 6

कोटा, 30 अक्टूबर, 2023

14 जिलों के 40 ब्लॉक स्तरीय एकल महिला लीडर्स को दिया प्रशिक्षण

बच्चों को आने वाले खतरे से बचाने के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण दिया

नवज्योति/ कोटा

एकल नारी शक्ति संस्थान द्वारा राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान कोटा की ओर से 14 जिलों की 40 ब्लॉक स्तरीय एकल महिला लीडर्स का बच्चों की सुरक्षा, बाल यौन शोषण व संरक्षण के ऊपर दो दिवसीय क्षमता वर्धन प्रशिक्षण आयोजित किया गया। एकल नारी शक्ति संस्थान समन्वयक निदेशक चन्द्रकला शर्मा ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान प्रथम दिवस में छोटे बालक बालिकाओं के साथ किस किस प्रकार की हिंसा व शोषण कहां-कहां पर होता है और उनके साथ क्या समस्याएं हैं, इस पर चर्चा की गई।

जिसमें समूह में मुख्य रूप से निकाल कर आया कि बच्चे घर, बाहर, स्कूल कहीं पर भी सुरक्षित नहीं है और बच्चे डर के मारे अपनी बात किसी के साथ साझा भी नहीं करते आए दिन छोटी बच्चियों व लड़को के साथ बहुत शोषण यौन हिंसा बलात्कार की घटनाएं हो रही है। जयपुर से आए दिशा संस्थान से कुशाल सिंह राजावत द्वारा संभागियों को प्रशिक्षण दिया गया की कैसे वह अपने काम के साथ अपने क्षेत्र में बस्ती आंगनवाड़ी स्कूल आदि में बच्चों को अच्छे और बुरे स्पर्श के बारे में समझा सकते हैं, और बच्चों के साथ अगर इस क्षेत्र में इस तरह की समस्याएं देखते हैं तो किस तरह से उन पर एक्शन लेना है, क्या सावधानियां रखनी है इसके बारे में जानकारी दी गई।

40 में से 36 महिलाओं ने पर्ची में लिखा बचपन उनके साथ हुई यौन हिंसा

प्रशिक्षण के दौरान एक एक्टिविटी करवाई गई जिसमें 40 लोगों को पर्ची देकर बिना नाम लिखे यह पूछा गया कि आपके साथ बचपन मे किसी प्रकार का यौन हिंसा छेड़छाड़ हुई है तो उसमें जो स्थिति निकल कर आई वो चौकाने वाली थी 40 में से 36 महिलाओं ने लिखा कि उनके साथ बचपन में पड़ोसी उनके परिवारजन के किसी सदस्य ने उनको प्राइवेट पार्ट पैर छूए छेड़छाड़ की और कुछ चौंकाने वाले केस भी आए जिसमें उनके साथ कई सालों तक यौन हिंसा भी हुई और उन्होंने डर के मारे किसी को नही बताया और यदि किसी ने बताया तो घर वालो ने कोई एक्शन नहीं लिया। इस प्रशिक्षण के माध्यम से यह भी एक समझ बनी कि यह स्थिति आज ही नहीं है यह बरसों से भी चली आ रही है लेकिन समाज के डर से परिवार वालों द्वारा यह सब बातें छुपाई जाती है लेकिन अब धीरे-धीरे लोगों को जागरूक किया जा रहा है बच्चों को सिखाया जा रहा है कि वह इस तरह की घटना होने पर अपने विश्वास पात्र व्यक्ति को बताएं ताकि समय पर समस्या का समाधान हो सके ब्लॉक नेतृत्व करता ने यह भी सीखा कि कैसे अभिभावकों के साथ बात करना है, और कैसे उनको अपने बच्चों के साथ फ्रेंडली व्यवहार करके उनकी समस्या को उनके हाव-भाव को जानना और समझना है, अगर हमारे बच्चे हमे कुछ बता रहे है तो बच्चों की बात पर विश्वास करना है। ताकि हम बच्चों को आने वाले खतरे से बचा सके कोई भी घटना होने पर बच्चों को विश्वास दिलाए कि उन्हें डरने की कोई जरूरत नहीं है। प्रशिक्षण में आए संभागियों ने अपनी पंचायत के सरकारी स्कूल, प्राइवेट स्कूल, आंगनबाड़ी, मोहल्ला, बस्ती और अपने परिवार से इस काम की शुरूआत करने का निर्णय लिया। कार्यक्रम का संचालन जोधपुर से रूपा देवी कोटा से अकेला बानो द्वारा किया गया।

दुर्गा वाहिनी मुख्य मंदिरों व चुनिंदा स्थानों पर करवा चौथ पर लगाएगी मेहंदी

संस्थान की गतिविधियों के फोटोज

महिला भूमि अधिकार प्रशिक्षण, व पंचायत स्तरीय एकल महिला नेतृत्वकर्ताओं का क्षमतावर्धन प्रशिक्षण

पंचायत स्तरीय एकल महिला नेतृत्वकर्ताओं का क्षमतावर्धन प्रशिक्षण